



प्रेस विज्ञप्ति



## साहित्य अकादेमी द्वारा साहित्य मंच कार्यक्रम आयोजित

अनुवाद की गुणवत्ता परखना आवश्यक है – हेंज वर्नल वेस्सलर

नई दिल्ली। 17 अप्रैल 2018। साहित्य अकादेमी द्वारा आज भारतविद्या के सुपरिचित विद्वान् हेंज वर्नल वेस्सलर के साथ साहित्य मंच कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने साहित्य और अनुवाद : रचनात्मकता संपर्क और कला विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि रचनात्मकता और कला को सामान्यतः सृजनात्मक लेखन से जोड़ा जाता है, लेकिन मेरा मानना है कि इसे अनुवाद से भी जुड़ना चाहिए तभी हम पाठकों को पसंद आने वाले अनुवाद का सृजन कर सकते हैं। अपनी ऑडियो विजुअल प्रस्तुति के साथ उन्होंने कई उदाहरण देते हुए बताया कि इंटरनेट पर उपलब्ध अनुवाद बहुत ही लचर और उबाऊ है। भाषा संबंधी गलतियाँ भी बेशुमार हैं। भारतीय और विशेषकर हिंदी साहित्य को विश्व स्तर पर लाने के लिए हमें अच्छे अनुवादों की आवश्यकता है और ऐसा तभी संभव है जब मूल भाषा से अनुवाद किए जाएँ और उसकी गुणवत्ता बनाएँ रखने के लिए उसकी कई स्तर पर जाँच हो। उन्होंने कहरवरी में स्वीडन में हुई जर्मन-हिंदी अनुवाद कार्यशाला का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास दिल्ली में भी होने चाहिए जिससे हिंदी अनुवाद की एक उच्च परंपरा दी शुरुआत हो और पाठकों तक उत्कृष्ट अनुवाद पहुँच सकें। कार्यक्रम में उनके साथ स्वीडन में कार्यशाला में समिलित रहीं दिल्ली विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर नमिता खरे ने भी अपने अनुभव श्रोताओं से साझा किए। कार्यक्रम के अंत उपस्थित श्रोताओं ने कई सवाल भी किए। कार्यक्रम में निर्मला जैन, मंगलेश डबराल रवींद्र त्रिपाठी, ओग निश्चल, विमलेश कांति वर्मा एवं एच. एस. शिवप्रकाश जैसे कई महत्वपूर्ण लेखक, अनुवादक एवं पत्रकार आदि शामिल थे। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव एवं निर्मला जैन ने हेंज वर्नल वेस्सलर का स्वागत अंगबूस्त्रम् एवं पुस्तक भेंट करके किया।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद जापित करते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के, श्रीनिवासराव ने साहित्य अकादेमी द्वारा अनुवाद की गुणवत्ता सुधारे जाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया।

(के. श्रीनिवासराव)